**Title:** Requested the Government to bring the tomb/mortal remains of Maharaja Prithviraj Chauhan back to India from Kandahar and perform the last rites with due honour.

**श्री छत्रपाल सिंह (बुलन्दशहर) :** अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण विषय आपके माध्यम से सदन में उठाना चाहता हूं। हमारे जितने भी महान् पुरुष हुए हैं उनके कुछ न कुछ ऐतिहासिक महत्व के अवशेष अभी भी विदेशों में हैं। जैसे भारत का प्राचीन कोहेनूर का हीरा, ब्रिटेन के कब्जे में है। इसी प्रकार से महाराजा पृथ्वीराज चौहान की समाधि कंधार में है, लेकिन ज्ञात हुआ है कि उनकी समाधि को प्रतिदिन वहां अपमानित किया जाता है। महाराजा पृथ्वीराज चौहान संपूर्ण देश के महान् योद्धा एवं सम्माननीय पुरुष थे जिनका नाम युगों-युगों तक याद किया जाता रहेगा। ऐसे महान् पुरुष की समाधि को कंधार में यदि अपमानित और लज्जित किया जाएगा, तो देशवासियों को दुख होना स्वाभाविक है।

अध्यक्ष महोदय, मेरा सरकार से निवेदन है कि महाराजा पृथ्वीराज चौहान की समाधि को कंधार से भारत लाया जाए और यहां बकायदा विधि-विधान के अनुसार उनकी अन्त्येष्टि की जाए। इसी प्रकार महाराजा रणजीत सिंह के विदेशों में रखे अवशेषों को भारत लाया जाए।

अध्यक्ष महोदय, बाबर भी एक आक्रामक राजा था। उसने इस देश को लूटा, यहां लोगों की. हत्याएं कीं, लेकिन यदि उनकी समाधि को जूते लगाए जाएंगे, तो लोगों की भावनाएं आहत होंगी। वही स्थिति आज इस देश के हिन्दुओं की हो रही है। इसलिए मेरा निवेदन यह है कि कंधार में बनी महाराजा पृथ्वीराज चौहान की समाधि को यदि अपमानित किया जाएगा, तो उससे भारतीयों की भावनाओं को ठेस लगनी स्वाभाविक है। इसलिए मेरी पुन: आपके माध्यम से भारत सरकार से अपील है कि महाराजा पृथ्वीराज चौहान की समाधि को वहां से उठवाकर यहां लाया जाए और यहां विधि-विधान के अनुसार उनकी अन्त्येष्टि की जाए, मुझे यही कहना है।